ये अव्यक्त इशारे

अपवित्रता के बीज को भी समाप्त कर सम्पूर्ण स्वच्छ (पवित्र) बनो

1-08-2026

सम्पूर्ण पवित्रता के हिसाब से व्यर्थ संकल्प भी अपवित्रता का बीज है। व्यर्थ संकल्प चलना, मैजारिटी बच्चों में अभी यह संस्कार रहा हुआ है। व्यर्थ संकल्प का आधार मन है, जो मनमनाभव होने नहीं देता इसलिए श्रीमत रूपी लगाम टाइट कर व्यर्थ संकल्पों की अपवित्रता को खत्म करो।

Finish the seed of impurity and become completely clean (pure).

In terms of complete purity, even waste thoughts are seeds of impurity. The majority of you children still have the sanskar of having waste thoughts. The basis of waste thoughts is a mind that does not allow you to become Manmanabhav. Therefore, tighten the reins of shrimat and finish all the impurity of waste thoughts.